[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ श्रीगुरुमण्डलपादकमलेभ्यो न-

मः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ

ऐं विरिञ्चभाग्यविकल्पितत्रि-

लोकसुदर्विलवे पदेश्रीमद्भुवनेर

मतिपरमानन्दवपुषा भुवनेश-

कुञ्जलिस्थलितपरपीठमहिमा

येमदवीदत्तुमेल्लयतिमसि

वाहः परमः ॥ श्रीदेवाय

नवबिन्दुनन्तभुवनकुलम्भस्थला

दुर्भव्यः प्रकम्पन्दमयः पर

मेश्वरविश्वभावेमप्रभुयस्थ

स्कन्दयश्रमद्भुभभुमाभुजै

ॐ

१०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆪𑆡𑆳 𑆥𑆴𑆠𑆴𑆢𑆴𑆠𑆁 𑆱𑆴𑆠𑆴𑆑𑆩𑆱𑇀𑆮𑆫𑆷𑆥𑆩𑆼𑆮𑆖
𑆠𑇀𑆫𑆴𑆱𑆷𑆠𑆼 𑆃𑆲𑆁𑆠𑆱𑇀𑆮𑆫𑆷𑆥𑆁 𑆠𑆢𑇀 𑆨𑆢𑇀 𑆮𑆴𑆱𑆼𑆰𑆮𑆴
𑆱𑆼𑆰𑆁𑆠𑆑𑆁𑆰𑆁 𑆑𑆫𑆼 𑆥𑆬𑆁 𑆱𑆁𑆠𑆼 ॥ 𑆃𑆡 𑆥𑇀𑆫𑆢𑇀
𑆥𑇀𑆫𑆴𑆪 ॥ 𑆪𑆡𑆳 𑆤𑆴𑆓𑆢𑆳𑆤𑇀𑆱𑆷𑆠 𑆱𑇀𑆮𑆫𑆷𑆥𑆁
𑆨𑆓𑆮𑆳𑆤𑇀 𑆤𑆳𑆩𑆪𑆼 𑆢𑆼𑆮𑆂 𑆥𑆷𑆑𑆩𑆳 𑆤𑆑𑇀𑆱𑆳
𑆱𑆫𑇀𑆮𑆱𑇀𑆮𑆫𑆷𑆥 𑆠𑆱𑇀𑆩𑆳𑆠𑇀 𑆑𑆬𑆳 𑆱𑆑𑆱𑆫𑆢
𑆠𑆑𑆶𑆑𑆳𑆥𑆁 𑆱𑆳𑆤𑆶 𑆱𑆮𑆁 𑆤𑆴𑆬
𑆱𑆘𑆴𑆱𑆱𑆮𑆳𑆥𑆴𑆑𑆼 𑆑𑆴𑆠𑆴𑆑𑆠𑆼 𑆱𑆢𑆑
𑆱𑆼𑆢𑆮𑆴𑆱𑆷𑆠𑆴 𑆠𑆣𑆳𑆮 𑆮𑆢𑆳 𑆮𑆢𑆱𑆩𑆩
𑆩𑆷𑆠𑆴 𑆱𑆷 𑆩𑆷𑆠𑆴𑆮𑆑𑆱𑆤𑆱𑆼𑆱𑆳 𑆥𑇀𑆫𑆴𑆱𑆱
𑆤𑆳𑆥𑆴𑆑𑆳𑆤𑆱𑆼𑆠𑆁 𑆲𑆁𑆱𑆥𑆑𑆁𑆥𑆢𑆱𑆑
𑆑𑆁𑆥𑆢𑆱𑆱𑆮𑆳𑆥𑆴𑆤𑆵 𑆮𑆲𑆮𑆑𑆱𑆑𑆁

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पं
१०

वटेतुद्रुमपार्श्वस्थेतिष्ठन्त
धृतिश्रेष्ठमममस्मह्रीकैमण्डलैर्वृ
त्रिशाङ्कंश्वश्यकश्यमाङ्कश्चग्विशू
त्रिशूलंतक्षुतत्त्वज्ञतत्वैमदशं
सुकवं॥ उद्यत्पित्रुशश्वरादि
जमागमादृवमौलैकतनूंस
हमाद॥ धूम्रकुमा॥ श्वेतेन्त्र
मित्रश्चकवेवतमाज्ञूयशुतिः
माविजनादमेवपादेमः शिवः
परमकार्णमितिश्रिष्टदंपूह
वमत्रः मवदृपृतिदतसुक्रपैत
णवमोदनाञ्ञमानावमान

विठणभाठष्टुउत्रिध्रऋड्रीतिय
वंधूपङ्कलयति उमणीन मेवाणि
भ्रूवरत्रुः भवेधुलितभ्रूमक
स्रीभऋदकैरवह्रवैत्रिगठभाठम
मंपृत्रिणभीस्तव विभ्दयमभक्करम
उत्रूयेणीस्वरभुष्टभ्रूठवेलयेमयाक
लक्षिउभ्दवरस्तमभक्करत्रिठारवय
उः भ्रूत्रैस्तास्रूकरन्ताठत्रिठण्ठम
येभदेस्वरभुभाभठस्वउपभाक्ताकै
तेतीति शिवभा ॥ ॥ इति श्रीभग
भगदेस्वरमाद्वदविरमितयंश्रउ
त्रूणीपिकयंपरभेस्वरविक्रतिभठ

[illegible]

[illegible]

93

37

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वेनिल धूकमत मङ्गा धूकमभा नः
धूकमनं क्रिमउ भक्ष उहकंउ धूक
मेनउल भुमभेधन क्रिउ निगहु
हुउगणउ निनीनश्नापमी निधूउ
कभउ भ्रद्मीनं धूकमेयहुपि
धूकमभाचेनकिभुश्रूपधउिध
मनेमभक्षः चउदेउश्नीना मिधूक
मवक्षक क्रिधूयः मिहूकमेचधु
धुमकेः भमशुधूकमः चउभक
धूकमहुश्रधूकमकंक्ष उक्षीकउ
हमिउिउमैवाद ॥ विभक्तवा
इग ॥ मंविहूकमपीनः

स्तकमेतेपाठेपिपठेत्कमिल
र्पमः उद्याम शत्रुचित्तं त्तिभक
नेलगाङ्गद्वेदि यद्भिर्मिद्भूमन
भक्तागुणाले तेनपुनः विलवि
भक्तनभागवद्गीताविष्णुपरमात्मतृप्ति
भक्तगतुषावुडविभ्रिटविमत्सव
वपरमेश्मि उत्तमेश्वर्यंतत्त्वेन
[illegible] पुत्रंपविस्त्रयं य
क्तं [illegible] पुपरंतेन
[illegible] विमत्सरः परमात्मतृप्ति
भव [illegible] लिचीतिभामक्ति
नीयते ॥ [illegible] ॥

गी
३७

𑆲𑆸𑆢𑆴 𑇆 𑆫𑆳𑆓𑆳𑆢𑆴𑆥𑇀𑆫𑆠𑆴𑆔𑆯𑆩𑆤𑆂 𑇆
𑆪𑆡𑆳 𑆥𑆳𑆥𑆼 𑆱𑇀𑆡𑆴𑆫𑆂 𑆯𑆯𑇀𑆮𑆢𑆶𑆢𑇀𑆮𑆼𑆓𑆱𑇀𑆪 𑆥𑇀𑆫
𑆠𑆴𑆔𑆯𑆩𑆤𑆂 𑆠𑆡𑆳 [illegible] 𑆥𑇀𑆫𑆯𑆩
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆 𑆃𑆲𑆁𑆑𑆳𑆫
𑆩𑆩𑆠𑇀𑆮 [illegible] 𑇆 𑆥𑆫𑆩𑆁 𑆮𑆴𑆮𑆼𑆑𑆩
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑇓𑇗

सम्भ्रान्तीकृतयुग्पिलफलतासा
श्विधस्वः समंयत्रीश्रुतःकालाश्वर
तश्चाङ्कितं प्रियासहितेश्वर मम
भावं सगन्धिसभा रसभवतेऽस्तु
शुगतःसत्वा सिद्धियुगलैः पुनिभुवि
वड्मदमकुलितृत्रविकवः पर
वर्वतीललगतिविदग्भीहतय
य प्रियासहितेश्वर मम भावं सग
न्धिसभति रसज्ञुवतेऽस्तु मम
भुवरलचडभाइकृतितिकुतेम
वणरश्चाद्वतितिधुतीतिइङ्ग
गङ्गधभातवभातात्रिधुसभवत्व

चै
३०

सर्वरसमं यथान मिं सायत्रियव
दविदग्मयः विगलितस्मेदभिम
नभावाभूतद्रमभीत त्रुनद्रप
णविश्वतुः पङ्कोतिकं सर्वम
देवद्रवमरेपरिहृण्मणीर्वमी
रउवपरेह्रभिलीनरठवत्रिएवं
मउभ्रुयभेमभ्रकोरद्रानश्रुभ
ठूटश्रुनतकेदयघदुवनपि
पतिद्रमिपुञनभश्पमेश्वर
सक्तिपउएवविवद्रनभितमि
वभा ॥ इति श्रीमद्भाग्दे
श्रासदवदविरमितायां श्रम्बुस्तु

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆮𑆂 𑆱𑆱𑇀𑆪𑆲𑆼𑆠𑆪𑆑𑇀𑆰𑆜𑆮𑆢𑇀𑆢𑆼𑆯𑆳𑆪
𑆔𑆤𑇀𑆪𑆽𑆫𑆢𑇀𑆮𑆵𑆥𑆠𑆴𑆨𑇀𑆫𑆬𑆨𑆳 𑇓 𑆨𑆳
𑆥𑆴𑆑𑆢𑆩𑆲𑆫𑇀𑆰𑆮𑆑𑇀𑆫𑆱𑆁𑆨𑆳𑆱𑆳𑆠𑆑
𑆱𑇀𑆑𑆫𑆬𑆲𑆠𑆤𑆵𑆪𑆨𑆳 𑆱𑆑𑆬𑆽
𑆑𑆱𑆳𑆟𑆼𑆥𑇀𑆫𑆓𑆸𑆯𑆽𑆦𑆼𑆜𑆮𑆴𑆯𑇀𑆮𑆥𑆷𑆜𑆪𑆰𑇀𑆛
𑆠𑆠𑆮𑆑𑆴𑆨𑆳 𑇗 𑆱𑆠𑆠𑆩𑆼𑆮𑆜𑆮𑆢𑇀𑆣
𑆫𑆨𑆶𑆮𑆑𑆫𑆱𑆯𑇀𑆫𑆶𑆢𑆴𑆨𑆶𑆁𑆱𑆮𑆫𑇀𑆰
𑆩𑆼 𑆇𑆥𑆠𑆴𑆨𑇀𑆫𑆬𑆬𑆛𑆢𑆴𑆪𑆯𑇀𑆫𑆶𑆠𑆟𑇀𑆝
𑆥𑆲𑆱𑆢𑇀𑆢𑆸𑆑𑇀𑆜𑆠𑇀𑆫𑆴𑆱𑆳𑆓𑆬𑆴𑆑 𑇑𑇐

ज्ञा । इति यस्स्तौति विश्वेशं पठे-
द्धं शिवपञ्चीशद्भक्तितः भक्त्या
१३ इति श्रीभट्टल्लदेवकृतशि-
वमिश्रीश्वरलघुलौकिकेषुन
नमःसुमंसुरभा ३ ॥ नमः
शिवाय ॥ ॐ भद्रं दैत्यराजकः
पलकालं भंयुधिष्ठिरमिदं स
भूतैः श्रीपूर्णमेषकवज्रभभ
गमः श्रीमिन्द्रविद्याधरवङ्गिविड ०

ज्ञु.
मु.
३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆮𑆴𑆑𑆬𑇀𑆥𑆩𑆔𑇀𑆓𑆪𑆁𑆱𑇀𑆮𑆱𑇀𑆮𑆫𑆷𑆥𑆩𑆥𑆴𑆬

𑆘𑆪𑆱𑇀𑆩𑆫𑆳𑆩𑆳 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆮𑆴𑆱𑆠𑇀𑆫𑆢𑆪𑆩𑆼

𑆱𑆩𑆮𑆫𑆥𑇀𑆫𑆬𑆪𑆽𑆪𑆩𑆑𑆴𑆩𑆁𑆠𑆶𑆮𑆵

𑆪𑆩 𑇓𑇐 𑇆 𑆅𑆠𑆴𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆑𑆛𑆬

𑆢𑆼𑆮𑆱𑆢𑆮𑆴𑆫𑆖𑆴𑆠𑆁𑆫𑆶𑆢𑇀𑆫𑆮𑆬𑆾

𑆩𑆔𑇀𑆓𑆬𑆾𑆢𑆾𑆪𑆽𑆱𑆩𑆳 𑆱𑆩𑆳𑆥𑇀𑆠𑆁

𑇑

𑇄 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆟𑆼𑆯𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂𑇆 𑆏𑆁𑆤𑆩𑆂𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ अथ [illegible]
व ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] मयः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

अं क्षं मं हं लं क्षं अकार उकार म-
कार अर्धमात्र हरिः ब्रह्मा विष्णुः
महेश्वरः [illegible] शिवः पृथिवी
जलं अग्निः वायुः आकाशः स-
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ इति
प्रणव [illegible] समाप्तः ॥ शुभमस्तु ॥

𑇄 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆶𑆫𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆟𑆼𑆯𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑇆

𑇄𑆤𑆩𑆂𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 𑇆 𑇄𑆑𑆳𑆫𑆩𑆪𑆁

[illegible] 𑇆 𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆩𑆲𑆼𑆯

[illegible]𑆂 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible]

[illegible]

[illegible]𑆂 [illegible] 𑇆 𑆃𑆑𑆳𑆫𑆱𑇀𑆠𑆴

[illegible]𑆩𑆳 𑇆 𑆉𑆑𑆳𑆫𑆱𑇀𑆠𑆴[illegible]𑆂 𑇆 𑆩

𑆑𑆳𑆫𑆱𑇀𑆠𑆴[illegible]𑆩𑆳 𑇆 [illegible]

𑆩𑆳 [illegible]

𑇄 𑇑

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

र्णं समकं॥ अत्र रिक्तं यस्माद्

यत्र वै विष्णुः अनन्तरः॥ उकारं

उल्लयं यास्त्रि त्रिस्रीये पुर्णं वर्णं स

कं॥ स्तेस्म रुद्रः अभवेत् स्म श्रुति

देवमन्दिरः॥ मकारं उल्लयं या

त्रिश्रीये पुर्णं वर्णं समकं॥ अकार

स्तु कारं ब्रह्म मकारं ब्रह्मणास्त्रय॥

ॐ अमेकं अनिष्ठं त्रैलोक्यं मिह

कल्कं परमं भा॥ अकारः पीत

वल्कः श्रुग्दलेत्तुलममत्रिउः॥

उकारः सात्विकः शुक्लो मकारः

तमश्रमभः॥ अकारस्तु उ

कारस्तु मकारस्तु पञ्चमः॥ अ

तमाद् ममायुक्तं भिन्नमेकं अ

निष्कलमा॥ अकारे वह्निसंप

त्र उकारः श्रीमंत्रउः॥ म

कारस्तु अंत्रः तैकारः

माकं पदमा॥ पेशिवीसंन

𑆕𑆮𑆵𑆱𑆁 𑆮𑆵𑆱 𑆠𑆼𑆮𑆵𑆱 𑆨𑆽𑆫𑆮𑆨𑆳 ।
𑆱𑆀𑆁𑆱𑆥𑆁𑆱𑆑𑆴𑆠𑆶𑆩𑆢𑆸𑆴
𑆮𑆳𑆱𑆴𑆤𑆨𑆳 ॥ १० ॥ 𑆠𑆽𑆑𑆳𑆫𑆕𑆳𑆮
𑆴𑆱𑆶𑆱𑆶𑆤𑆨𑆳𑆩𑆟𑆼𑆱𑆤𑆨𑆳 ॥
𑆟𑆼𑆱𑆶𑆫𑆬𑆨𑆳𑆲𑆼𑆬𑆥𑆁𑆠𑆶𑆩
𑆥𑆴𑆤𑆱𑆶𑆠𑆴 ॥ 𑆲𑆴𑆱𑆁𑆱𑆲𑆴𑆨𑆳𑆲𑆁
𑆱𑆟𑆽𑆨𑆠𑆶 𑆱𑆶𑆤𑆱𑆤𑆨𑆳 ॥ 𑆲𑆴 ।
𑆨𑆳𑆲𑆳𑆱𑆳𑆖𑆨𑆳𑆲𑆼𑆬𑆥𑆶𑆬𑆮𑆱𑆶
𑆮𑆴𑆱𑆼𑆥𑆟𑆂 ॥ 𑆱𑆶𑆱𑆁𑆠𑆶𑆱𑆠𑆶𑆥

𑆱𑆼 ३

[illegible]

ग्लीं कण्ठदेशे उत्तमं परि

कीर्तिर्मा॥ ह्लीं कं नाभिमध्ये

उरुवेलीं कं सङ्कल्प॥ भग

लीं कं हृदि भ्रूत्रैलोक्यम

कथय॥ ३०॥ कस्तूर्याद्यै

लीं कं ऊर्ध्वलीं कं ललाटकेः॥ भ

ट्लीं कं सन्निर्भिकुवचनाश्रित

उदम॥ कुकुवश्रीर्मत्रैलोक्यम

गौरं परिसूक्तिः॥ सगौरखुल

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

षन्तहृभाष्ठवं पहृश्चिमस्मवगा।
३१॥ ह्रींस्मदतिपापानिमीडि
भिस्मधूस्मयकः॥ ॐघ्राय नम्
तेवापिहिविपिस्मृगलनत्॥
तेनपगभिवस्मिग्नं मीड
यामुविनस्मवगा॥ ॐवह्रा।
धूलवधूतेयभुं वेस्मभवेस्म
विगा॥ ॐह्रांयाभं फं वृम्
ॐह्रांयाभं फं मिवः॥ ॐह्रां

ॐ नमः ॥ ॐ ब्रह्मे विलयं याति उ
त्रिस्त्रिः परमेपरमा ॥ ॐ ह्रूं
परमाकूं ॐ कूं मैं ब्रह्म ॐ सूउ ।
ॐ ह्स्रुं हंमनः स्रुं हंमहस्रुं
त्रिनभयमा ॥ त्रिस्रुं हंयवि
श्रनाति मम स्हेंदवब्रु नाग ।
स्रुं हं कव ति ना वा नं भल्ह पा
पैर लिखउ ॥ स्रुं हं मव भिनं
नाति स्रुं हानं परमेपरमा ॥

ॐ
१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆓𑆶𑆥𑆶𑆠𑆴𑆰𑇀𑆛𑆴𑆠𑆨𑆳𑇆 𑆱𑇀𑆮𑆼𑆑𑆓𑇀𑆫𑆩
𑆑𑆵𑆬𑆁𑆱𑇀𑆠𑆬𑆤𑆑𑆨𑆩𑆥𑆶𑆜𑆨𑆳𑇆
𑆡𑆶𑆩𑆲𑆾𑆩𑆴𑆠𑆶𑆁𑆢𑆴𑆮𑆁𑆫𑆳𑆓𑆪𑆬𑆳𑆩
𑆤𑆨𑆪𑆨𑆳𑇆 𑆱𑆵𑆮𑆑𑇀𑆱𑆼𑆑𑆼𑆥𑆶𑆜𑆴𑆓𑆱𑆁
𑆥𑆶𑆰𑇀𑆥𑆵𑆑𑆥𑆥𑆶𑆱𑆷𑆠𑆨𑆳𑇆 𑆩𑆱𑇀𑆮
𑆩𑆢𑇀𑆫𑆓𑆩𑆥𑆑𑇀𑆱𑆁𑆩𑆥𑆬𑆳𑆁𑆥𑆓𑇀𑆫𑆩𑆴
𑆮𑆩𑇆 𑆥𑆤𑆮𑆳𑆬𑆮𑆤𑆨𑆳𑆬𑆳𑆱𑆥𑆶
𑆤𑆳𑆓𑆥𑆁𑆢𑆴𑆨𑆳𑇆 𑆑𑆼𑆠𑇀𑆫𑆓𑆠𑇀𑆫𑆥𑆶𑆓
𑆲𑆁𑆩𑆑𑆠𑆴𑆥𑇀𑆫𑆲𑆁𑆑𑆩𑆱𑇀𑆬𑆨𑆳𑇆

𑆥𑆼
𑇗

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

भूतये ॥ यः पठेच्छृणुयाद्वापि

भक्ति[illegible] ॥ भवस

[illegible]

[illegible] ॥ भवती[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

धैर्यश्रीभा॥ वैरमाभूपराज्योति
विहारस्त्वेतस॥ यद्ध्यंसा
क्ष्मीविहारचरेदेवित्रिपिरभा।
पंत्रिगत्रैवेरत्नमाभूमरे
कर॥ पुद्गं येरतस्त्रिरवेप
करंयव॥ यभ्रुयंपद्मनाठम्
भावपद्मस्त्रिनिभाड॥ यःपठे
द्रुरंस्मिहिंमनक्षेत्रिक्षम
हयभा॥ निक्षारस्त्रिज्ञयंमम

[illegible]विष्णुमहेश्वरः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ७
१ ॥ इति श्रीमहाभारते शतसाहस्र्यां
संहितायां [illegible]

ॐ नमः परमात्मने [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] नमः ३ नमः [illegible]

[illegible]

[illegible] परमात्मने ३ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

सभक्षवत्समभीतेनिदलक्ष्म

नबाधः १२ विष्णुमन्त्रमक्षः

लेनिदमन्त्रसंमदः सद्धे

विस्रब्धमन्त्रनद्धवदनवाद्वयः ३

[illegible]पविष्टिवदस्त्रुद्धवत्य

विदः [illegible]पविष्टवन्त्रवत्स

मेकत्रवत्स १३ [illegible]

[illegible]यत्तमभक्तः ३३ःम

[illegible] १०

शगणुल्लनिष्ठलकल:

लीयते १३ उक्ष्मः पुरुषमयम

निश्चकुविकल्पं ठवति

नेयभिन्नुमाश्रुति उभिन्नम

गभीरवंभुपाहनन्नविरः १८

वरकुरपियाहरंगिरवरंन

भुनेव

मनुते रंकभपिभवंरठल

तेभिनुमहुतिभा १५ यहभुते

गभाभ्राकमैथिलं

पूभुति

नशिबेरभपयातिकरामन

गु. भूलीनकलकलनभुमयहं भूय

म. हुते १६ गुरुमाभुवठवालेति

११

गुरुतः माभुतः भुतउह्रक्तैः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ श्रीगुरुपादकमलेभ्यो नमः ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆱𑇀𑆬𑆶 𑆇𑆠𑇀𑆱𑆩𑆥𑆱𑆯𑇀𑆖𑆴𑆠𑆳𑆥𑆮𑆠𑇀𑆫𑆴𑆨𑆶𑆱
𑆱𑆑𑆬𑆑𑆬𑆕𑇀𑆑𑆩𑆼𑆱𑇀𑆩𑆴𑆠𑆴𑆂𑆱𑆮𑆳𑇅
𑆮𑆥𑆶𑆨𑆳𑆓𑆥𑆕𑇀𑆑𑇀𑆠𑆂𑆥𑆳𑆮𑆴𑆲𑆩𑆽𑆂 𑆤𑆴𑆘𑆳𑇅
𑆱𑆒𑆴𑆝𑆩𑆓𑆵𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪𑆑𑆯𑇀𑆫𑆴𑆨𑆶𑆩𑆳𑆠𑇀𑆫𑆳𑇅
𑆱𑆑𑆬𑆼𑆤𑇀𑆢𑆶𑆥𑆳𑆟𑆴𑆪𑆳 𑇆 𑇆 𑆅𑆠𑆴
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆢𑆳𑆤𑆤𑇀𑆢𑆨𑆳𑆪𑆬𑆩𑆼𑆩𑆼𑆥𑆳𑆪𑆼𑆯
𑆤𑆴𑆫𑇀𑆮𑆳𑆬𑆥𑇀𑆫𑆑𑆳𑆫𑆬 𑆱𑆼𑆮𑆠𑆳𑇁𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆮𑆴
𑆱𑆩𑆴𑆠𑇀𑆠𑆨𑆩𑆤𑆂 𑇆 𑇘𑇓 𑇆

𑆱·
𑆥𑆶·
𑇑𑇐

ॐ श्रीगुरवे भगवते श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

कस्मिन्नुत्पन्ने शिवशक्ति विज्ञान
कल्पनं ज्ञानः ज्ञानभेदे पिपासी
द्वेषाग्रं कीलाग्रे ज्ञानवती शक्तिः भा॰
स्वमूकं स्मृयै विश्वसर्गं सृष्टि क्रियावती
शक्ति १७ विश्वेन्द्रियसमाप्यं सर्वं
कलापस्यायाचारभरः कलना
स्वयं विश्वनिमेषपिङ्गवानुवति
दिपलीभयं भमन्तरमत्सर्वयन्त्र
निमभमभा स्पाम्ध शक्तिस्तनकला

१०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्रकृतिरूपञ्चक्रमेण स्वच्छिद्रतव
तिश्चमहे नापन्नमूर्ध्नेत्युक्तं।
नियमैर्नियमाश्चलब्धिसंयुतः ३३
भास्त्रोमूसकलाः षडूत्थविंशति
तत्त्वसमुदयः एकान्नसंख्याद्
येनमत्रतृतीयपञ्चमि ३७ ॥
भावं च विकल्पः सूक्ष्मत्रिसूक्ष्मक
निष्कलमित्याभा यस्मिन्प्रतिविभूत
हस्तौ सूक्ष्मप्रतिपत्तिं प्रेक्षमाणिकामदेवी नि

सं॰
सं
१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

उद्गुष्कृहा भिवध्वृमौं ॥ ३० ॥ श्रीदेव

उष्ठुष्ठचक्रियेयनक्रिउ वृद्धमिः कउनेनविष्वभंदगकर्द्दह हउ

म ॥ देवदेवहिम्कुलष्कुकपाल

नउकुधल ॥ भिगेमकनमुठ

मद्ययदेमविवज्ञिउ ॥ ३१ ॥ य

सक्ति

वृक्षकगिउकागहेंविश्वपलह

भापमज्ञनं

उ ॥ केमयायेंग्रायंउश्रः यमदेवी

कीर्तमी

कंठंठवेउ ॥ ३२ ॥ यमभश्मदंव

भिउषमेश्रहिकेनव ॥ श्रीदेवउ·

वाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मितत्र वेद विनीतमितः पूर्वाल

ताकमेव विलीनकः पद्मभु

पूर्वयेद्धरणः दे

त्रभूषणः ॥ [illegible] भुवनधरं

अग्रत्र

वृषभ

[illegible] भुयाता ॥ २३ ॥ भवतः भु

मनीष[illegible]समात्रे भवेलयाता ॥

येतिनः [illegible] [illegible]

[illegible]

वचते ॥ २४ ॥ [illegible]

समात्रे भवतः क्षिपेता ॥ भु[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

वि.

[illegible]

७

तिलपञ्चकस्थान

कलाग्निचक्रं लक्ष्यं हृत्तेन सु

मंदं मनुं माउ्मउः

केधुरमाः॥ अथ सुधिविश्वयोमन्त्रमा

कलाग्निर्हृत्तेन

उ्रमः पूर्णयते॥१०॥ एवमेव

मलाग्निं चैमनुं प्राह्य विकल्पतः॥

प्रवद्धमेतत्सः प्रेमः प्रंक्षवः प्रागमे

ठवेत्॥११॥ अमिदं मलात्तेवा धि

अभृत्रृश्चेत्लिम॥ उक्तं विध

विविलयं प्राज्ञ्तेश्रलते धरा॥१२॥

उक्तं विधिप्रिज्ञमीतिउ्रिकारकुरतिभं मामीतिमयातिमतिउधं श्रुश्रुकालधुवि
लयं प्राज्ञपदत्तेधरामेवीपूकमीठवेत् ॥१३॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

यद्यद्भवत्युद्धिमद्भवत्युद्देवपा

येत्रा॥३३३३पगात्रऋभुक्रपं

भंप्रकमते॥१३॥भ्रवागत्रया

विषयं

विज्ञायंप्रल भुवनहृणीमते॥

भवभुभवभागभूपरामेवीध

कमते॥१३॥कवक्लिं रूपणवया

ठेगप्राले निदनयया॥पिमदना

भ्रुकलेमपराप्राधिःप्रकमते॥१

मित्रघ्नः सद्गिना भ्रमसंत्तव

यं सिद्धि॥ विकल्परामस्तवेन वि

कल्पैः संप्लिते स्तवेन॥७०॥ मायावि

मोहिनीः स्वकल्पायाः कल्पनं भिन्नं॥

[illegible] सिद्धं [illegible] कल्पयन् [illegible]

स्तवेन॥७१॥ [illegible] ममतः

[illegible] समं जयेत्॥ यत्र तव

ममत्वात् [illegible] नीयते॥७२॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

आपदः पिविदयद्यमवमिश्रं परमानन्दयन्तं पंतद्वैवैकमूलं अमाविमेदिङ्मः ॥१७॥

सर्वदः पीवदेशापी ःतिविकल्पयन्तं दश

नमिङ्गनिक्षिपेन्मः पिनभृपिव प

निक्षिपेश ॥ ठविष्णयङं भवेकिं

उद्भवमिश्रत ॥ ०.. ॥ विदयवि

श्रमिदयुमाश्रुतं विदय — मदमिववज्ञ

लङ्घदभुं भवभगीतिष्ठववश ॥

पृङ्गवभुविमत्रैकसूया — नि:भंमयौन

मफैनभनभामप्रूनात्वैमिरु

भापीठवेश ॥ ० ॥ य एवेंडयस्नुवि

यएवेविषयंयमदमाचिधयैलिविष्ठंनयद्भुष्ठःसिकंवापिउन्नभैवानुग्रहस्यम — इत्रापिकिउभव

क्ष्वनमिस्रूहंवभभाउश ॥ नेवभव — गतंरतंउद्धवतीर — नुयः ॥

गतंरतंछवयत्रितिभवगः ॥ ३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ अस्य श्रीशिवक
वचस्तोत्रमन्त्रस्य ब्रह्मविष्णीश्वरा ऋषिः अ
नुष्टुप्छन्दः सदाशिवो रुद्रो देवता ह्रीं बी
जं ह्रीं शक्तिः ह्रुं कीलकं साम्बस
दाशिवप्रीत्यर्थं शिवकवचस्तोत्रपाठे वि
नियोगः ॐ नमो भगवते नमो मदगेह्
य ज्वल ३ ज्वालामालिने ॐ ह्रीं श्रीं
ह्रीं सर्वज्ञहृं नमः ॐ नमो भगवते वं
मदगेह्य ज्वल ३ ज्वालामालिने
ॐ ह्रीं श्रीं ह्रीं उज्ञानी हृं नमः ॐ नमो भग
वते मं मदगेह्य ज्वल ३ ज्वालामा
लिने ॐ ह्रीं श्रीं ह्रीं महेभा हृं नमः ॐ न
मो भगवते सिं मदगेह्य ज्वल ३ ज्व

नामालिने ओं ह्रीं श्रीं क्लीं अनामिकाहूं
नमः ओं नमो भगवते वं महादेवाय
स्वाहा ३ स्वाहामालिने ओं ह्रीं श्रीं क्लीं क
निष्ठिकाहूं नमः ओं नमो भगवते यं
महारुद्राय स्वाहा ३ स्वाहामालिने
ओं ह्रीं श्रीं क्लीं करतलकरपृष्ठाहूं नमः
एवमेवषडङ्गन्यासः अथध्यानम्।
ओं वस्त्रादंशुंशिनयनं कालकण्ठमरिं
दमं महाभुजं महंतं वंदेसमर्थभु
जायतिमां चतुःपंचवक्त्रमतृगलष्टहूं
त्रिनेत्रं पापापायहरं पवित्रं ललाटचंद्र
मघविद्भिर्मस्तं वन्दे शिवमेकवक्त्रं
दिक्शये । अथस्वमन्त्रक्रियाः ।

शि॰
क॰
०

ओं अस्य श्रीशिवपञ्चाक्षरमन्त्रस्य वाम
देवऋषिः पङ्क्तिश्छन्दः श्रीसदाशिवो दे
वता ओं बीजं नमः शक्तिः शि
वायेति कीलकं श्रीशिवप्रसादसिद्ध्
र्थे जपे विनियोगः अथ न्यासः वाम
देवऋषये नमः शिरसि पङ्क्तिछन्दसे
नमः मुखे सदाशिवदेवतायै नमः हृ
दि ओं बीजाय नमः गुह्ये नमः शक्तये
नमः पादयोः शिवायेति कीलकाय न
मः सर्वाङ्गेषु अथ करन्यासः ओं ओं
अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ओं नं तर्ज
नीभ्यां नमः ओं मं मध्यमा
भ्यां नमः ओं शिं अनामि

शक्तिधाम्ने अनादिकहुं नमः ॐ वं
अलुप्तशक्तिधाम्ने कविधिकहुं नमः
ॐ यं स्वतन्त्रशक्तिधाम्ने कालानलकाय
धुहुं नमः ॐ वं अघोरास्त्राय नमः अघोरा
नमः ॐ ह्रीं ह्रौं त्रिहं भक्तिमंगलजनिति
तं सामस्वरूपं गन्धकल्पितानामं
रूपमानवंशीतिरूपंभूमध्यं गन्धमीनं
ममत्वस्तुमम नाग्निहृदयस्थितं नमः
नमः विश्वहं विश्वह्रुं निपिलठयकं
यज्ञवत्कं हिरण्यमा ॐ ह्रीं विधाय
कंणकं भमधयामि नमः ह्रीं दंष्ट्रकम
ह्रकं धूपं भमधयामि नमः ह्रीं वय
ह्रकं दीपं भमधयामि नमः ह्रीं वह्नि ह्रकं

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सृष्टिकाय सकलतत्त्वविदूराय सक
ललोककर्त्रे सकललोकभर्त्रे सकललोक
हर्त्रे सकलनिगमगुह्याय सकललो
कवरप्रदाय सकललोकैकवरप्रद
य सकलदुरितार्तिभञ्जनाय सक
लजगदभयङ्कराय शशाङ्कशेखरा
य शाश्वतनिजाभासाय निर्गुणाय
निरुपमाय निर्मलाय निराभा
य निरामयाय निष्प्रपञ्चाय निरु
पद्रवाय निःसङ्गाय निरस्तभेदाय
निरञ्जनाय नित्यशुद्धबुद्धपरिपूर्णसच्चि
दानन्दाद्वयाय परमशान्तप्रका
शाय तेजोरूपाय तेजोमयाय जय

शि· क· /१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

समाप्तश्चा [illegible]
[illegible]
मा ॥ इति श्री [illegible]
[illegible]
[illegible] समाप्ता
॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

शि. क. ७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
सकलकलङ्करहिताय सकललोकै-
ककर्त्रे सकललोकैकभर्त्रे सकललो-
कैकहर्त्रे सकललोकैकगुरवे सक-
ललोकैकसाक्षिणे सकलनिगमगु-
ह्याय सकलवेदान्तपारगाय सकल-
लोकैकवरदाय सकललोकैकशङ्क-
राय [illegible] निराभासा-
य निराभयाय निर्मलाय निर्मदाय
निश्चिन्ताय निरहङ्काराय निराकुलाय
निष्कलङ्काय निर्गुणाय निष्कामाय
निरुपद्रवाय निरवद्याय निरन्तराय
निष्कारणाय निरातङ्काय निष्प्रपञ्चाय

शि
क
१

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ श्रीगुरवे नमः ॥

[illegible]

[illegible]

०१

[illegible]

श्रीगुरोः पादुकाभ्यां नमः १६ श्रीगु
[illegible] विश्वरूपाय श्री
गुरोः पादुकाभ्यां नमः पूज्यश्री[illegible]
दीनानां भवपापदावकलो १७ यस्य
श्रीपाद[illegible]भवेत् शिवः
[illegible] श्रीपादुकाभ्यां नमः
[illegible]
[illegible] श्रीपादुकाभ्यां नमः
यस्य [illegible]
[illegible] श्रीपादुका[illegible]
[illegible] यस्य [illegible]
[illegible] श्रीपा
दुकाभ्यां नमः [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ओं श्रीमद्गणेशाय नमः ॥

[illegible]
[illegible]

